पीटर और भूत

माइकल

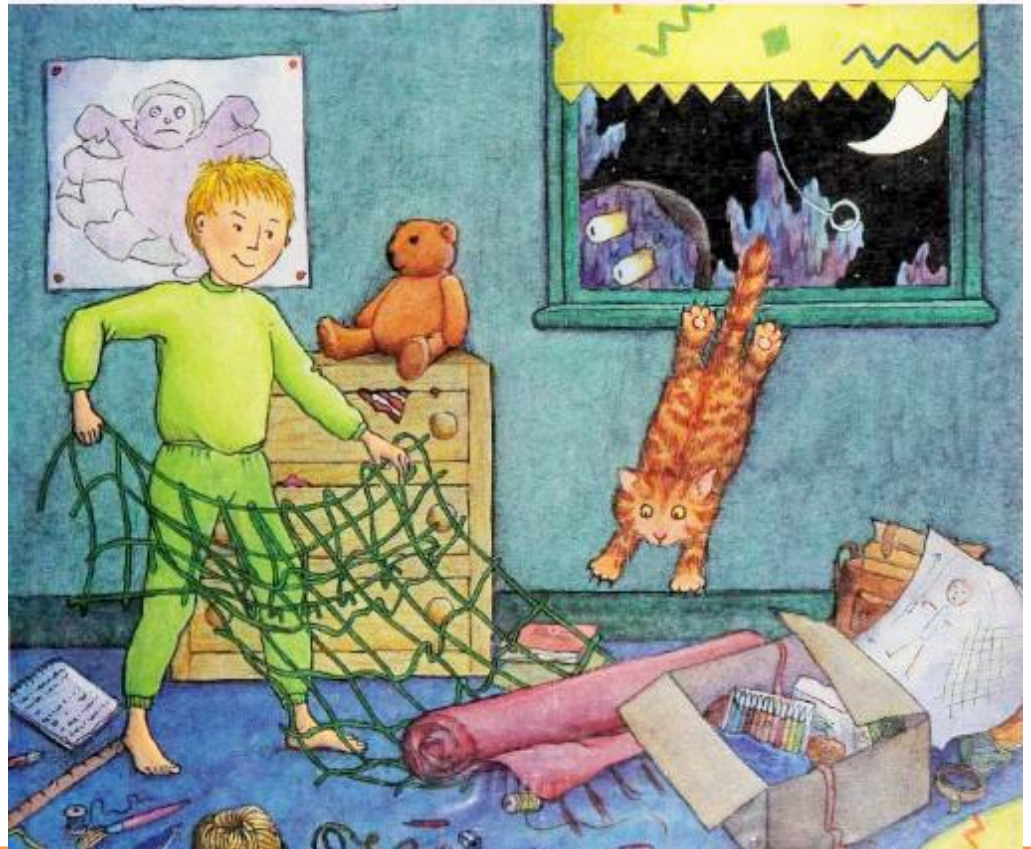

पीटर और भूत

बच्चों को भूत से डरना सिखाया जाता है. वयस्क लोग बच्चों को डराते हैं. वे उन्हें बताते हैं कि अगर वे शरारत करेंगे तो भूत उन्हें पकड़ लेगा. लेकिन पीटर को भूत का कोई डर नहीं है. सच तो यह है कि पीटर भूत को पकड़ने के बारे में सोच रहा है. पीटर सोचता है कि अगर वह भूत को फंसा लेगा, तो फिर बच्चे उस राक्षस से कभी नहीं डरेंगे.

बस एक सवाल बाकी है: क्या पीटर की योजना काम करेगी?

यह किताब पीटर की उम्र वाले बच्चों के लिए एकदम लाजवाब है.

"ऐसा मत करो," पीटर के दादाजी ने कहा. "तुम्हें भूत पकड़कर ले जायेगा."

"क्या आपने कभी भूत को देखा है, दादाजी?" पीटर ने पूछा.

"बेशक," पीटर के दादाजी ने कहा. "वह सात फीट लंबा है. उसके पांच हाथ हैं, और वो एक हुड पहनता है."

"ज़रा देखो तुमने कितनी गंदगी और कचरा फैलाया है!" पीटर की दादी ने कहा.
"अगर भूत ने तुम्हें पकड़ लिया तो फिर वो तुम्हें अच्छी सजा देगा."
"क्या आपने कभी भूत देखा है, दादी?" पीटर ने पूछा.

"नहीं." पीटर की दादी ने कहा. "पर वो हमेशा अच्छा होता है. लेकिन मैं उसके बारे में सबकुछ जानती हूं. वह शरारती बच्चों के पास जाता है और उन्हें डराता है. और अगर उससे काम नहीं चलता है, तो वो अपना सबसे शक्तिशाली मंत्र इस्तेमाल करता है और बच्चों को नमक में बदल देता है. फिर वो उन्हें अपने महल में ले जाता है. वहां वो सूप में नमक को डालकर उनका स्वाद चखता है."

"क्या आपने कभी भूत को देखा है, पिताजी?" पीटर से पूछा.
"भूत जैसी कोई चीज नहीं होती है," पीटर के पिताजी ने कहा.
"भूत को बड़े लोगों ने, बच्चों को डराने के लिए बनाया है."

"हाँ," पीटर की माँ ने कहा. "भूत जैसी कोई चीज़ नहीं होती.
तुम्हें किसने यह सब बकवास सिखाई?"

पीटर ने भूत के बारे में सोचा और सोचा. और जितना अधिक उसने सोचा उसे उतना ही लगा कि भूत वाकई में असली होता है, और उसके बारे में किसी को कुछ करना चाहिए.

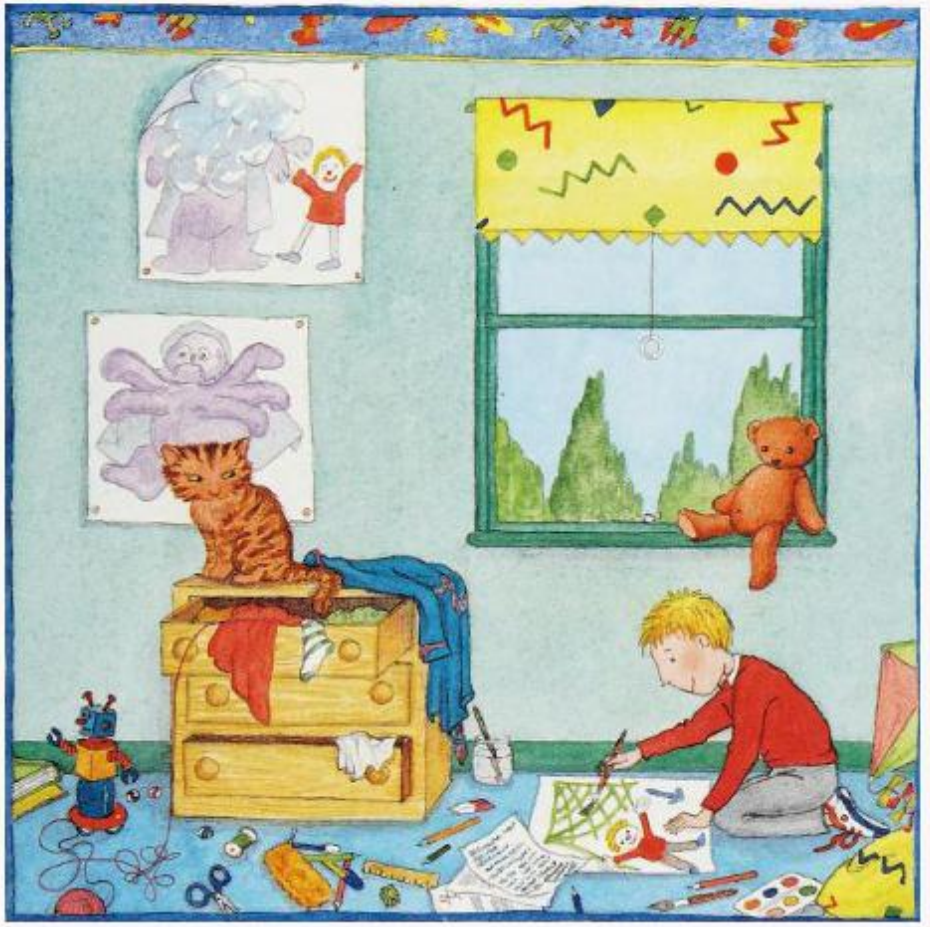

इसलिए उसने अपनी एक योजना बनाई.

सोमवार को उसने काफी शरारत की.

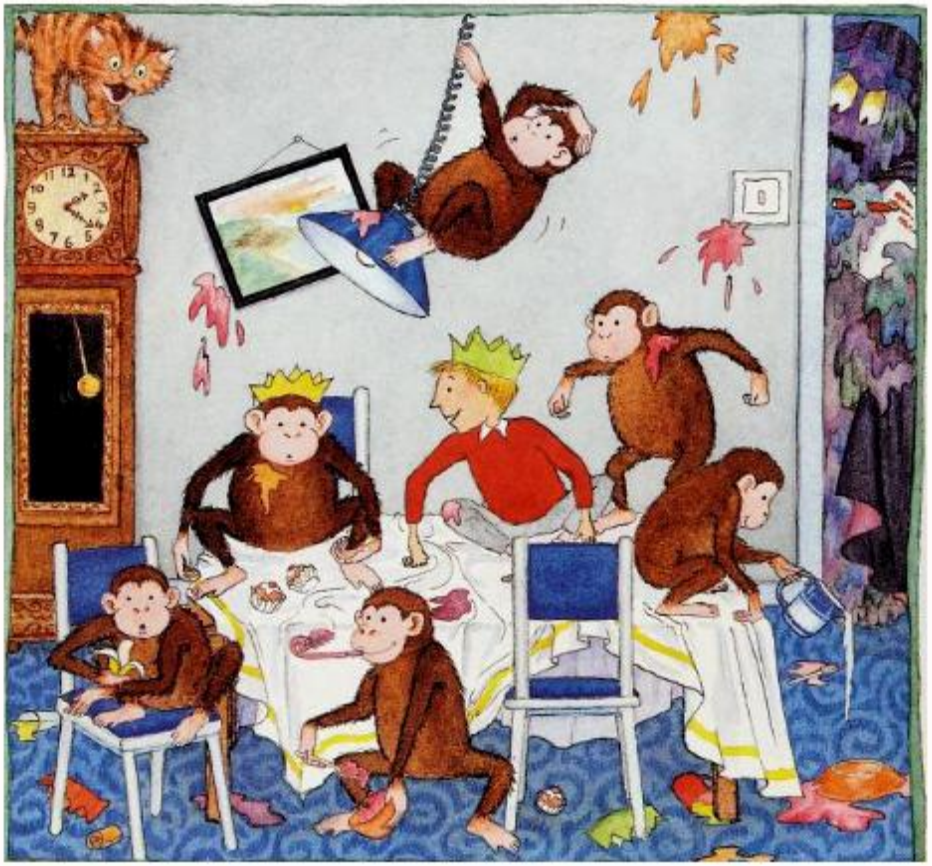

मंगलवार को भी खूब शरारत की.

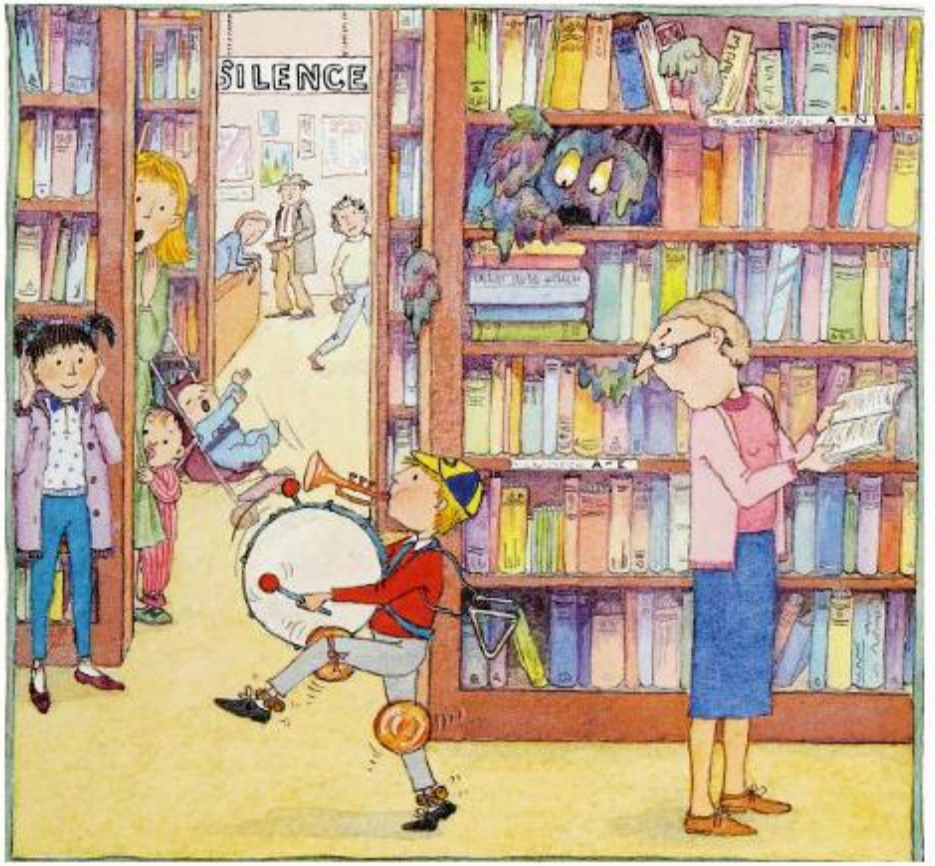

बुधवार को उसने बहुत-बहुत ज़्यादा शरारत की.

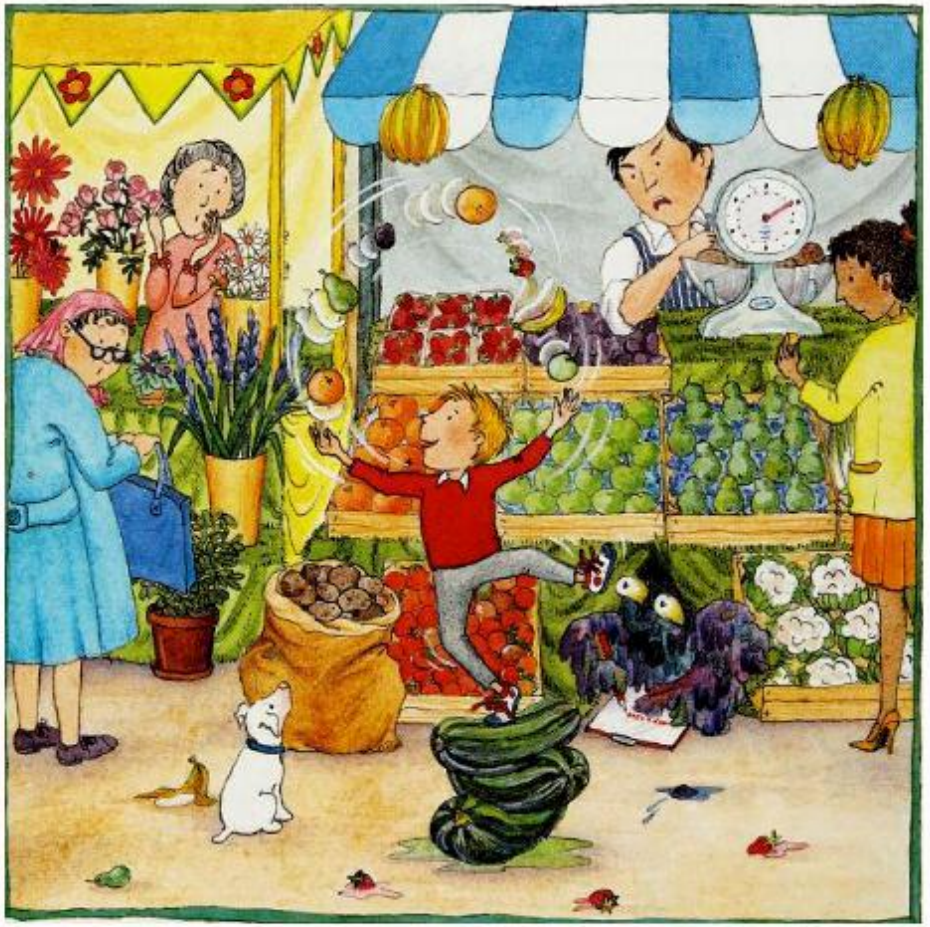

और गुरुवार को उसने शरारत की सारी सीमायें तोड़ दीं.

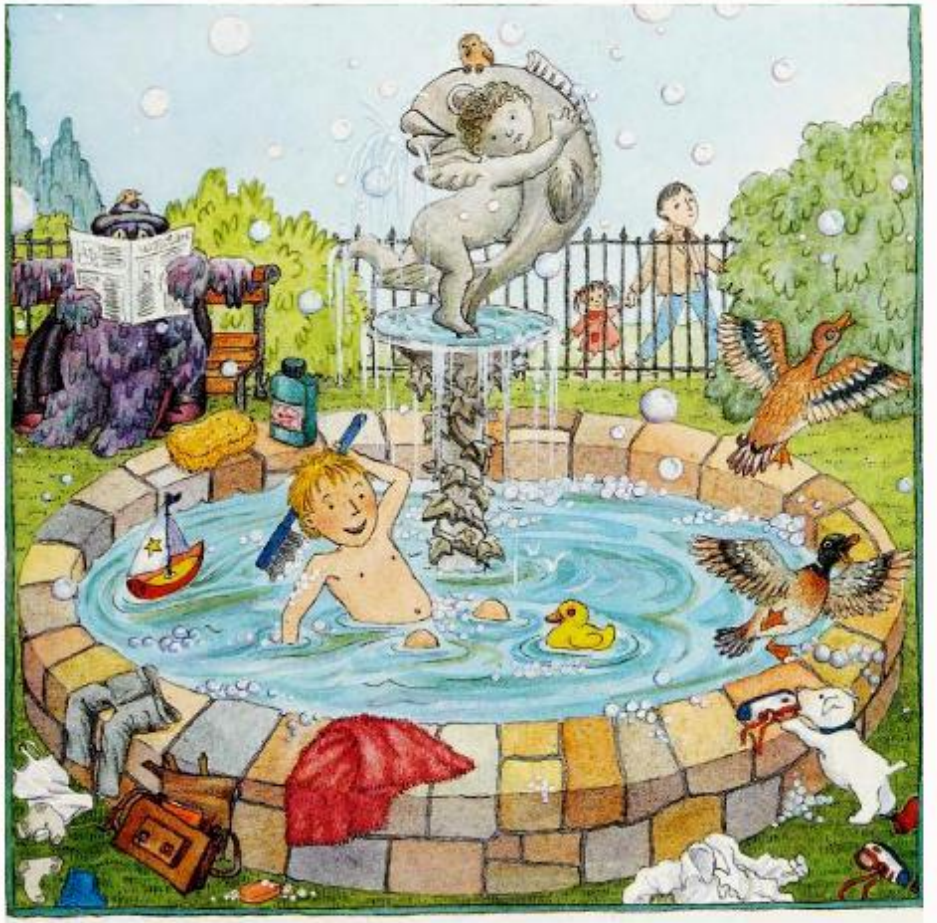

'भूत को अब मेरे पास कभी ज़रूर आना चाहिए!" उसने शुक्रवार को कहा.
और उस शाम जब वो बिस्तर पर गया तो वो अपने साथ
एक बड़ा कार्डबोर्ड का बॉक्स लेकर गया.

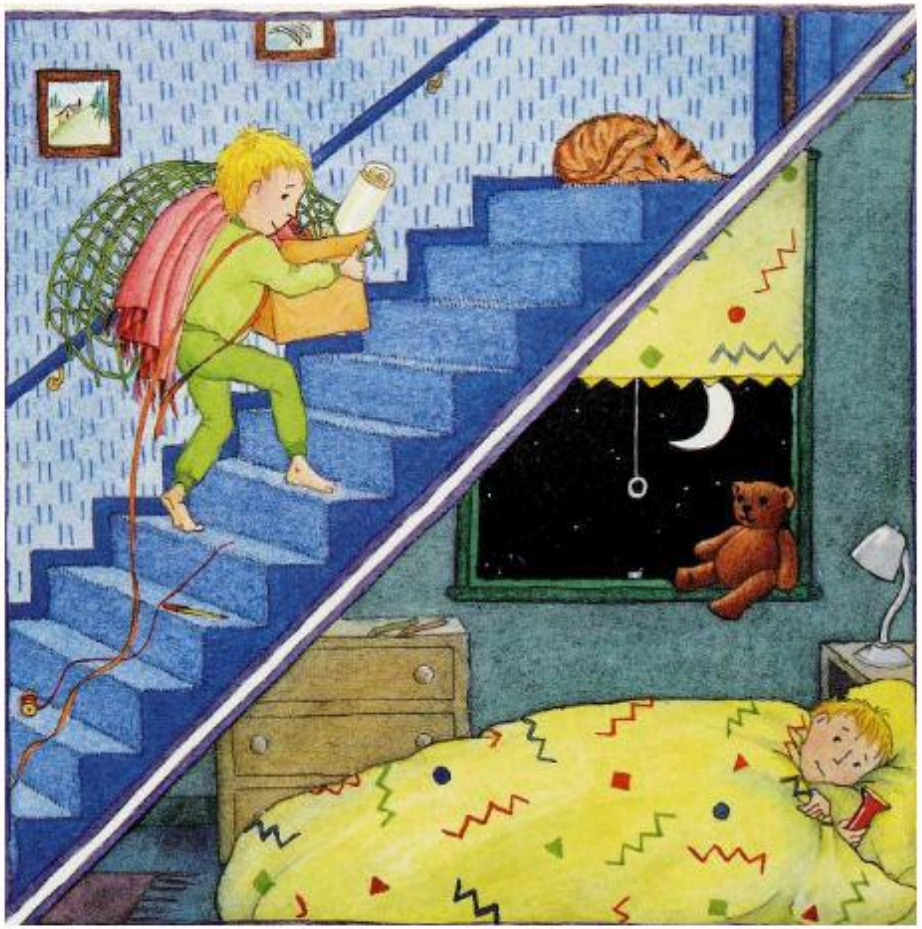

वो एक अंधेरी रात थी. पीटर बिस्तर पर अपनी
टॉर्च के साथ भूत का इंतजार करने लगा.

आधी रात को पीटर के कमरे की खिड़की को चुपके से एक हाथ ने खोला.

और एक डरावनी आकृति उसके कमरे में आई. वो सात फीट लम्बी थी.
उसकी पाँच भुजाएँ थीं और वो एक हुड और कैप पहने हुए थी.

वो भूत था!

पीटर इंतजार करता रहा और इंतजार करता रहा. कुछ देर में भूत कमरे के बीच में आ गया. फिर पीटर ने टॉर्च की रोशनी सीधे भूत की आंखों में चमकाई.

"अरे!" भूत चिल्लाया. उसकी आंखों में प्रकाश का तेज़ चौंधा लगा. फिर वो आगे बढ़ते हुए डगमगाया.

तभी पीटर ने गलीचा खींच लिया, और भूत उसकी पीठ पर आकर गिरा.

"अरे!" भूत चिल्लाया. फंसने के कारण वो बहुत गुस्से में था.
फिर वो पीटर की ओर रेंगने लगा.

पीटर ने भूत के चेहरे पर आटे का एक बोरा फेंककर मारा. धड़ाम!

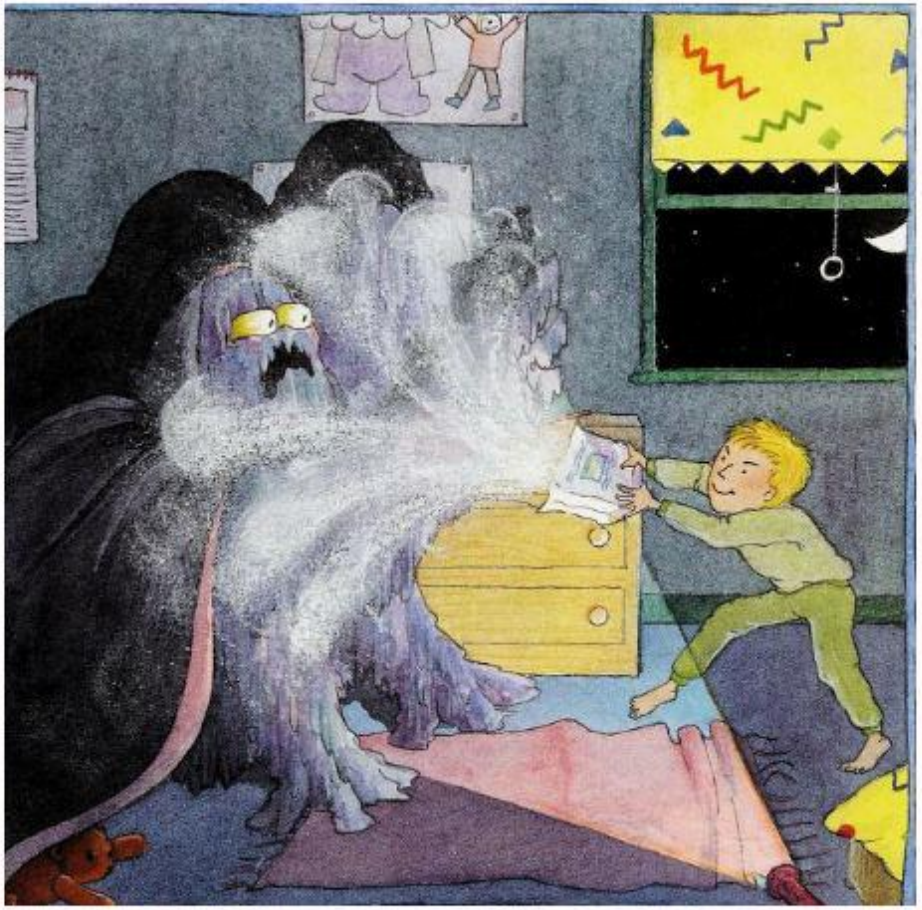

"अरे!" अब भूत खांसने लगा. किसी ने भी भूत को
पहले कभी इतना मूर्ख नहीं बनाया होगा.

फिर जैसे ही भूत ने अपनी आँखों से आटा पोंछा,
पीटर ने एक डोर खींचीं, जिससे भूत के ऊपर एक बहुत बड़ा जाल गिरा.

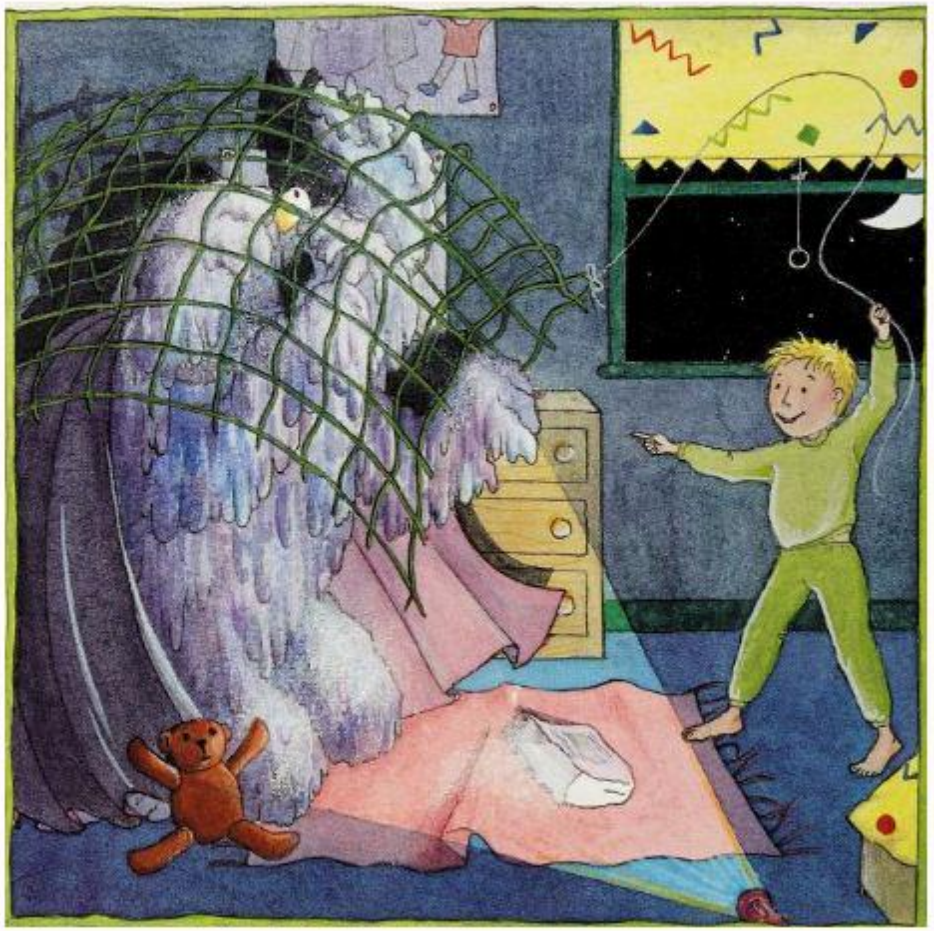

अब भूत पूरी तरह फंस गया था!

"अरे! अरे! अरे!" अब भूत बहुत, बहुत, बहुत गुस्से में था.

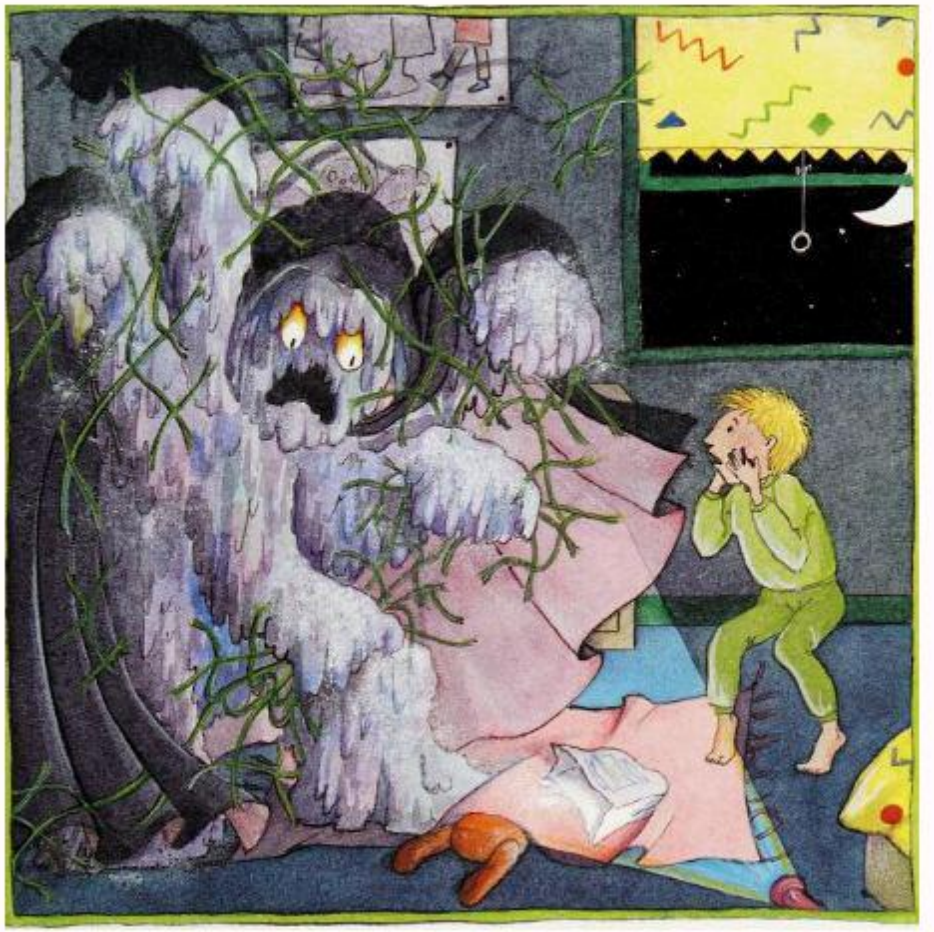

उसने जाल के टुकड़े-टुकड़े कर दिए ...

फिर भूत ने खुद को अपनी पूरी ऊंचाई तक उठाया.
अब उसने अपने शक्तिशाली जादू के हिस्सों को इकट्ठा किया ...

फिर उसने दस-गुनी ताकत वाला
शक्तिशाली नमक का जादू पीटर पर फेंका!

लेकिन एक क्षण में पीटर ने एक दर्पण निकाला
और भूत को उसका जादू वापिस भेजा.

फिर भूत तुरन्त नमक की एक मूर्ति में बदल गया!

"अब यह तुम्हारा अंत है!" पीटर ने भूत से कहा.

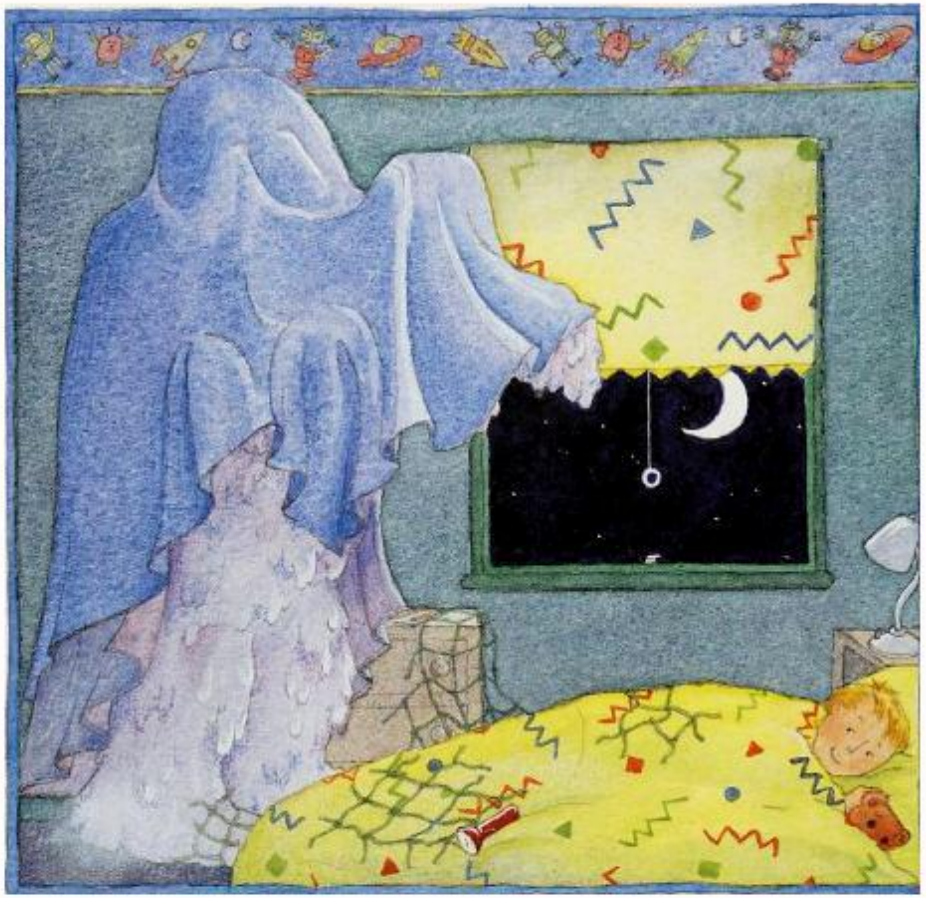

सोमवार को, जब पीटर स्कूल गया,
तो वह भूत की मूर्ति को अपने साथ लेता गया.

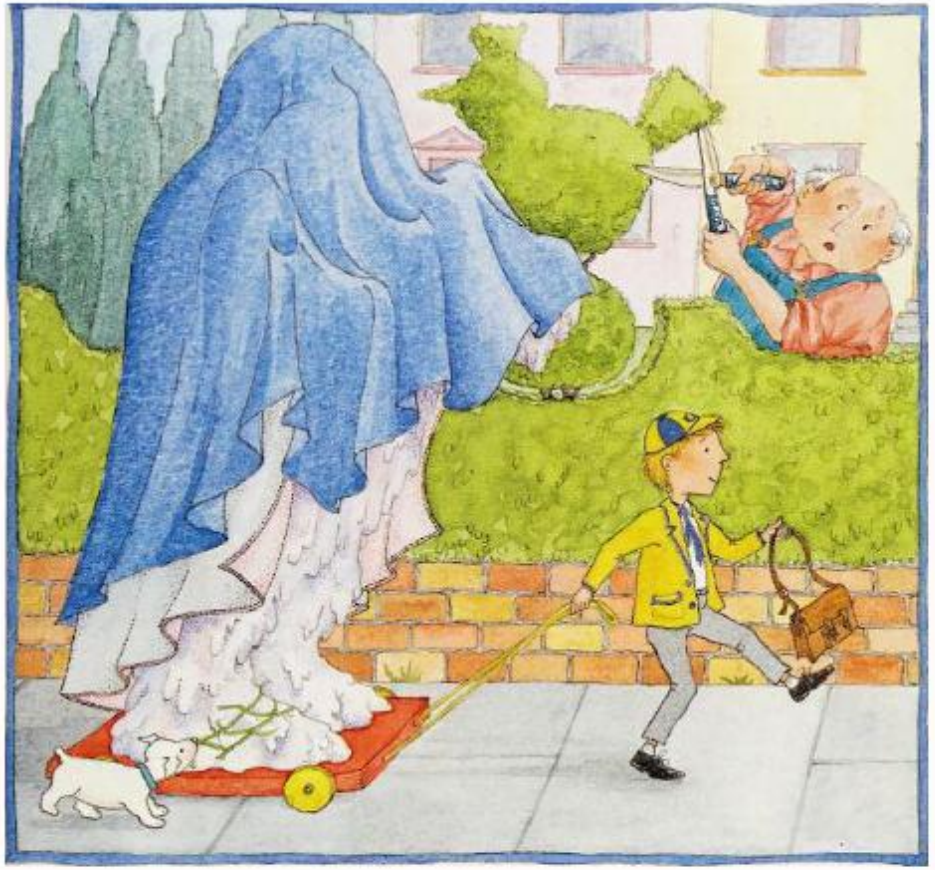

मूर्ति ने उसे कला प्रतियोगिता में प्रवेश दिलाया. सभी को मूर्ति बहुत पसंद आई, और न्यायाधीशों ने पीटर को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया.

पीटर की दोस्त सुसान, मिट्टी कंगारू के साथ फर्स्ट आई, भले ही उसकी पूंछ थोड़ी लड़खड़ाई हुई थी.

"बहुत बढ़िया," पीटर की माँ और पिताजी ने कहा.

"लेकिन यह क्या हैं?"

"यह भूत है," पीटर ने कहा.

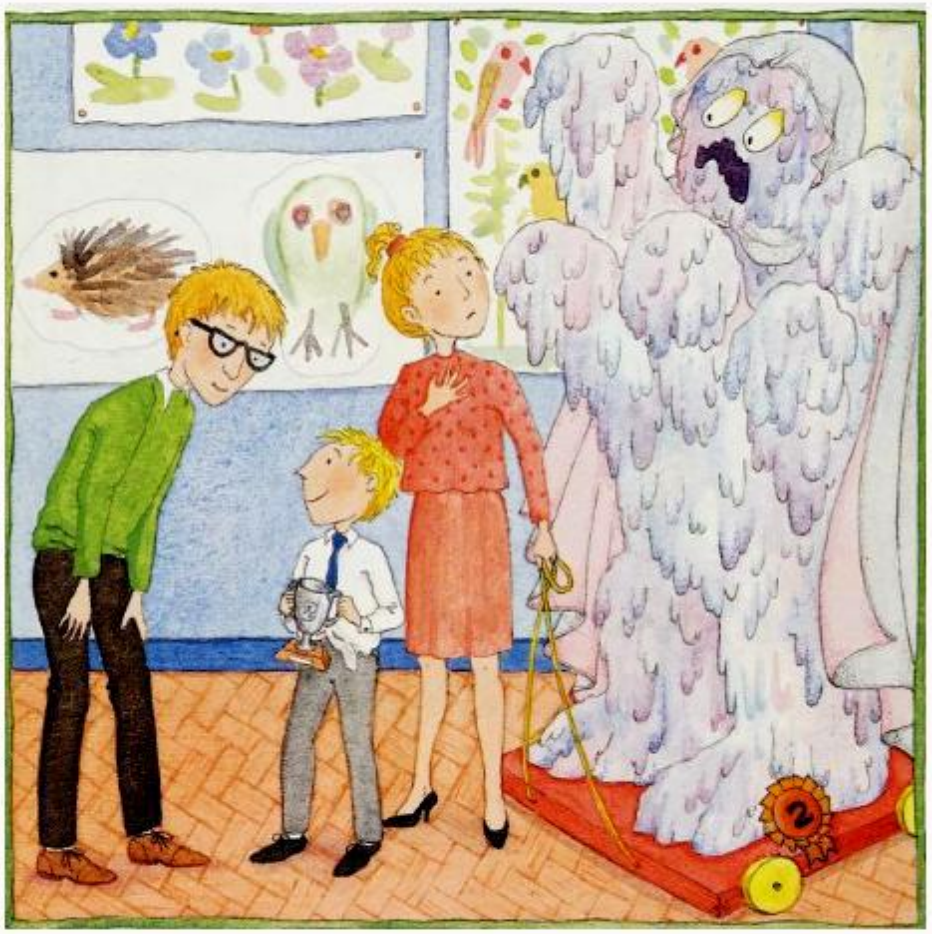

"लेकिन भूत जैसी कोई चीज़ नहीं होती है," उन्होंने कहा.

"हाँ, अब और नहीं," पीटर ने कहा.

पीटर ने बच्चों को सूप में नमक का आनंद लेने के लिए स्कूल के रसोइए को भूत की मूर्ति भेंट की.

फिर रसोइए को बहुत दिनों तक नमक ही नहीं खरीदना पड़ा - पूरे एक साल तक!

भूत बहुत बड़ा है. भूत के पांच जीवित हाथ हैं. भूत हुड के साथ एक कैप पहने है. भूत रात के अँधेरे में चुपके से आता है. वो बच्चों को डराता है और उन्हें नमक में बदल देता है. ...

लेकिन भूत - अब ज़रा सावधान रहना . .

पीटर तुम्हारे पीछे लगा है!

सभी युवा बच्चे इस कहानी से प्रफुल्लित होंगे - जब भूत का पाला एक महाभूत से पड़ता है!

समाप्त